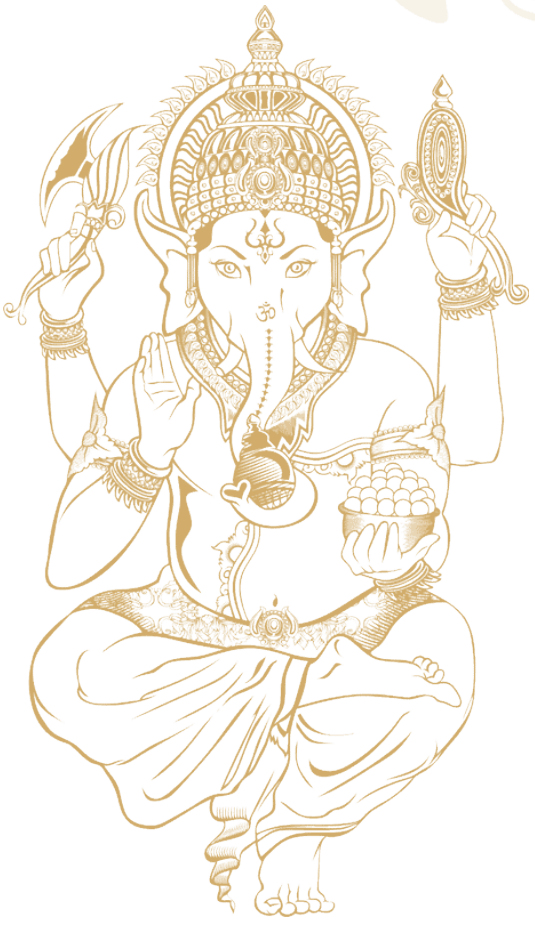

Mr.

14 Sep 2025

11:07 AM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 119567902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:07:00 घंटे**
इष्ट	12:27:03 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:42:56 घंटे
वेलान्तर	00:04:25 घंटे
साम्पातिक काल	10:16:45 घंटे
सूर्योदय	06:08:10 घंटे
सूर्यास्त	18:30:28 घंटे
दिनमान	12:22:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:27:18 सिंह
लग्न के अंश	00:55:19 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:55:19	304:52:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	27:27:18	00:58:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			वृष	24:45:55	14:05:53	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	00:22:46	00:39:47	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	सिंह	28:09:02	01:51:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	25:53:26	00:09:27	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	29:19:58	01:12:57	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:50:02	00:04:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:07:01	00:00:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:07:01	00:00:11	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:13:10	00:00:24	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:47:48	00:01:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:21:13	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			सिंह	07:59:17	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:02

लग्न-चलित

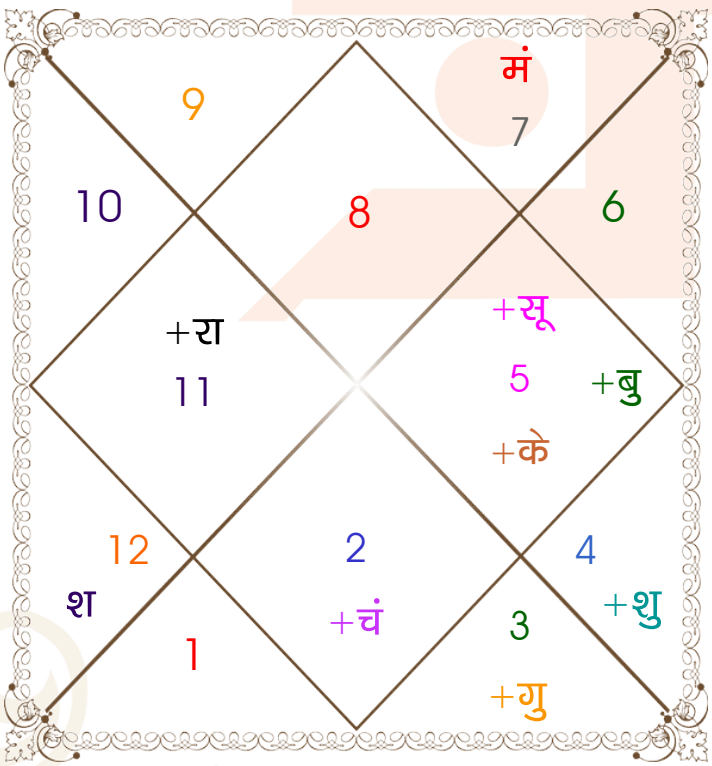

चन्द्र कुंडली

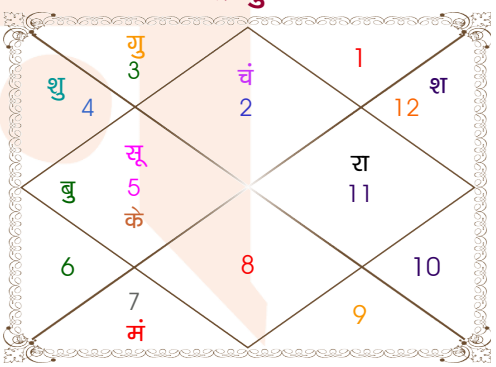

नवमांश कुंडली

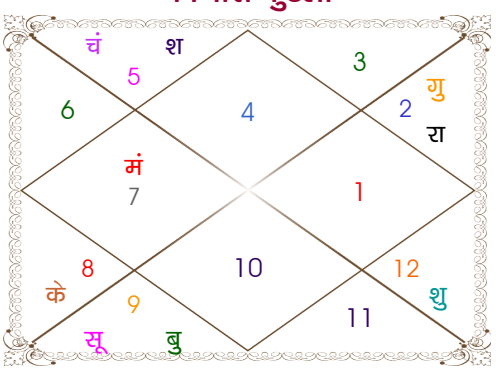

आचार्य धनंजय
9971489030

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 2 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/09/2025		14/12/2031		14/12/2049		14/12/2065		13/12/2084	
14/12/2031		14/12/2049		14/12/2065		13/12/2084		15/12/2101	
	14/09/2025	राहु	26/08/2034	गुरु	01/02/2052	शनि	16/12/2068	बुध	12/05/2087
राहु	30/05/2026	गुरु	19/01/2037	शनि	14/08/2054	बुध	27/08/2071	केतु	08/05/2088
गुरु	06/05/2027	शनि	26/11/2039	बुध	19/11/2056	केतु	04/10/2072	शुक्र	09/03/2091
शनि	14/06/2028	बुध	14/06/2042	केतु	26/10/2057	शुक्र	05/12/2075	सूर्य	14/01/2092
बुध	11/06/2029	केतु	03/07/2043	शुक्र	26/06/2060	सूर्य	16/11/2076	चंद्र	14/06/2093
केतु	07/11/2029	शुक्र	03/07/2046	सूर्य	14/04/2061	चंद्र	17/06/2078	मंगल	11/06/2094
शुक्र	07/01/2031	सूर्य	27/05/2047	चंद्र	14/08/2062	मंगल	27/07/2079	राहु	29/12/2096
सूर्य	15/05/2031	चंद्र	25/11/2048	मंगल	21/07/2063	राहु	02/06/2082	गुरु	06/04/2099
चंद्र	14/12/2031	मंगल	14/12/2049	राहु	14/12/2065	गुरु	13/12/2084	शनि	15/12/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/12/2101		14/12/2108		14/12/2128		15/12/2134		14/12/2144	
14/12/2108		14/12/2128		15/12/2134		14/12/2144		00/00/0000	
केतु	13/05/2102	शुक्र	15/04/2112	सूर्य	03/04/2129	चंद्र	15/10/2135	मंगल	13/05/2145
शुक्र	13/07/2103	सूर्य	15/04/2113	चंद्र	03/10/2129	मंगल	15/05/2136	राहु	15/09/2145
सूर्य	18/11/2103	चंद्र	15/12/2114	मंगल	07/02/2130	राहु	14/11/2137		00/00/0000
चंद्र	18/06/2104	मंगल	14/02/2116	राहु	02/01/2131	गुरु	16/03/2139		00/00/0000
मंगल	14/11/2104	राहु	14/02/2119	गुरु	21/10/2131	शनि	15/10/2140		00/00/0000
राहु	02/12/2105	गुरु	15/10/2121	शनि	02/10/2132	बुध	16/03/2142		00/00/0000
गुरु	08/11/2106	शनि	14/12/2124	बुध	09/08/2133	केतु	15/10/2142		00/00/0000
शनि	18/12/2107	बुध	15/10/2127	केतु	15/12/2133	शुक्र	15/06/2144		00/00/0000
बुध	14/12/2108	केतु	14/12/2128	शुक्र	15/12/2134	सूर्य	14/12/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।